IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, January 2023
Impact Factor: 7.301

शिक्षा में राजनीतिक विज्ञान की प्रासंगिकता

कुंवर प्रताप सिंह[1] एवं डॉ. संध्या शुक्ला[2]
शोधार्थी, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[1]
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[2]

सारांशः राजनीति विज्ञान का महत्व शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास है। मानव ने इस सृष्टि पर जीवन कैसे बनाया, उसका भौतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, शास्त्रीय, आर्थिक वातावरण क्या था, इसकी शिक्षा शिक्षार्थी को देना आवश्यक है क्योंकि तभी उन्हें अपने अस्तित्व की प्राप्ति होगी। शिक्षा के साथ–साथ उचित अभिज्ञों का विकास भी आवश्यक है। उचित अभिज्ञाताएँ अच्छे व्यवहार का आधार है शिक्षार्थीयों का व्यवहार इन सीमित अभिवृत्तियों पर समाप्त होता है। संबद्ध अभिज्ञाताएं विश्वसनीय और आलस के आधार पर निर्मित होती है। जबकि बौद्धिक अभिज्ञापन तथ्यों का अधिक महत्व होता है। राजनीति विज्ञान के शिक्षा विकास करे उनके अंदर कुछ सामाजिक गुण जैसे– आत्मसंयम, धैर्य सहानुभूति तथा आत्मसम्मान एवं शिक्षा को विकसित करें।

मुख्यशब्दः राजनीतिक विज्ञान, प्रासंगिकता, सामाजिक संस्थायें, सर्वांगीण, शिक्षार्थी, वातावरण, विश्वसनीयता, चिंतन, संबद्धता, समाज विकास आदि।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः

[1]. https://digicgvision.in/Rajiti-vigyan-kemahatava
[2]. Arora Pankaj (2014) Exploring the science of society, Journal of Indian education NCERT New Delhi.
[3]. योगेन्द्र कुमार शमा, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली 110002
[4]. कमल देव वर्मा 4831/24 प्रहाद लेन अंसारी रोड दिल्ली 110002
[5]. प्रो. भास्कर मिश्र 2014 अदनायक शिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ प्रकाशक श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संसकृत
[6]. डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा चतुर्थ आवृत्ति–1994 प्रकाशक, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग भोपाल 462003